RBSE

CHAPTERWISE PYQ

हिन्दी

2013 - 2025

Class 12

CONTENT

CHAPTER/TOPIC **PAGE NO**

1. अपठित बोध (क) अपठित गद्यांश --02-08
2. अपठित बोध (ख) अपठित पद्यांश --09-15
3. निबन्ध लेखन -- --------------------16-18
4. पत्र व प्रारूप लेखन --19-20
5. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन --21-22
6. फीचर लेखन/आलेख --23-24
7. व्यावहारिक व्याकरण --25-29
8. सप्रसंग व्याख्या गद्य भाग --30-33
9. सप्रसंग व्याख्या (पद्य भाग)------------------------------- ---------------------------34-37

10.पाठयपुस्तक - आरोह (गद्य खंड) --38-41

11.पाठयपुस्तक - आरोह (काव्य खंड)------------------------------------- -----------42-46

12.पाठयपुस्तक – वितान--47-51

TELEGRAM YOUTUBE WEBSITE

TOPIC = अपठित बोध (क) अपठित गद्यांश

1. **निम्न अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

धर्म का वास्तविक गुण तब प्रकट होता है जब हम जीवन का सत्य जानने के लिए और इस दुनिया की दया और क्षमा योग्य वस्तुओं में वृद्धि के लिए निरन्तर खोज करते हैं और सततअनुसंधान करते हैं। अनुसंधान या खोज की लगन और उन उद्देश्यों का विस्तार जिन्हें हम प्रेमअर्पण करते हैं, ये वास्तविक रूप में आध्यात्मिक मनुष्य के दो पक्ष होते हैं। हमें सत्य की खोज तब तक करते रहना चाहिxए जब तक हम उसे पा न लें और उससे हमारा साक्षात्कार न हो। जो कुछ भी हो, हर मनुष्य में वही तत्त्व मौजूद है, अतः वह हमारे प्यार और हमारी सद्भावना का अधिकारी है। समाज और सारी सभ्यता केवल इस बात का प्रयास है कि मनुष्य आपस में सद्भाव के साथ रह सकें। हम इस प्रयास को तब तक बनाए रखते हैं। जब तक सारी दुनिया हमारा अपना परिवार न बन जाए।

(i) धर्म का वास्तविक गुण कब प्रकट होता है ?
(ii) आध्यात्मिक मनुष्य के दो पक्ष कौन-से हैं ?
(iii) हर मनुष्य में कौन-सा तत्त्व मौजूद है ?
(iv) मनुष्यों को आपस में सद्भाव का प्रयास कब तक करते रहना चाहिए ?

(RBSE 2013)

2. **निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

गाँधीजी के अनुसार शिक्षा, शरीर, मस्तिष्क और आत्मा का विकास करने का माध्यम है। वे 'बुनियादी शिक्षा' के पक्षधर थे। उनके अनुसार प्रत्येक बच्चे को अपनी मातृ भाषा की निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा मिलनी चाहिए जो उसके आस-पास की जिन्दगी पर आधारित हो; हस्तकला एवं काम के जरिए दी जाए; रोजगार दिलाने के लिए बच्चे को आत्मनिर्भर बनाए तथा नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास करने वाली हो। गांधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे तथा उन्होंने अपने जीवन में सामाजिक एवं राजनीतिक आंदोलनों में भाग लेकर भारतीय समाज एवं राजनीति में इन मूल्यों को स्थापित करने की कोशिश की। गांधीजी की सारी सोच भारतीय परम्परा की सोच है तथा उनके दिखाए मार्ग को अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति और सम्पूर्ण राष्ट्र वास्तविक स्वतन्त्रता, सामाजिक सद्भाव एवं सामुदायिक विकास को प्राप्त कर सकता है। भारतीय समाज जब-जब भटकेगा तब-तब गाँधीजी उसका मार्गदर्शन करने में सक्षम रहेंगे।

(i) गांधीजी के अनुसार प्रत्येक बच्चे को किस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए ?
(ii) 'गांधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे.. ' यह किस प्रकार का वाक्य है; बताते हुए परिभाषा भी लिखें।
(iii) 'सामाजिक' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय बताइए।
(iv) अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(RBSE 2014)

3. **निम्न अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

देश की सर्वांगीण उन्नति एवं विकास के लिए देशवासियों में स्वदेश-प्रेम का होना परमावश्यक है। जिस देश के नागरिकों में देशहित एवं राष्ट्र-कल्याण की भावना रहती है, वह देश उन्नतिशील होता है। देशप्रेम के पूत-भाव

से मण्डित व्यक्ति देशवासियों की हित-साधना में, देशोद्धार में तथा राष्ट्रीय प्रगति में अपना जीवन तक न्यौछावर कर देता है । हम अपने देश के इतिहास पर दृष्टिपात करें, तो ऐसे देशभक्तों की लम्बी परम्परा मिलती है, जिन्होंने अपना सर्वस्व समर्पण करके स्वदेश-प्रेम का अद्भुत परिचय दिया है । महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी, सरदार भगत सिंह, महारानी लक्ष्मीबाई, लोकमान्य तिलक, महात्मा गाँधी आदि सहस्रों देश-भक्तों के नाम इस दृष्टि से लिए जाते हैं । हमें अपने देश के इतिहास से देश-प्रेम की एक गौरवपूर्ण परम्परा मिलती है और इससे हम देश हितार्थ सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं ।

(i) लेखक के अनुसार कौन-सा देश उन्नतिशील होता है ?
(ii) 'हमें अपने देश के इतिहास से देश प्रेम की एक गौरवपूर्ण परम्परा मिलती है और इससे हम देशहितार्थ सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं ।' यह किस प्रकार का वाक्य है, बताते हुए परिभाषा भी लिखें ।
(iii) 'स्वदेश' शब्द में मूल शब्द व उपसर्ग बताइए ।
(iv) अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।

(RBSE 2015)

4. **निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

आज हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता राष्ट्रीय चरित्र का पुनर्मूल्यांकन है । भारत नारों और बिल्लों पर नहीं रह सकता, उसे जीने के लिए ठोस आधार चाहिए । यह ठोस आधार युवा पीढ़ी को अनुप्राणित किये बिना, राष्ट्र की आत्मा को जगाये बिना प्राप्त नहीं किया जा सकता । विदेशी मुद्रा, विदेशी मशीन या विदेशी पूँजी के आयात से त्याग, परिश्रम और अनुशासन के भाव की पूर्ति नहीं की जा सकती, आत्म विश्वास और राष्ट्रीय चरित्र नहीं गढ़ा जा सकता । स्वतन्त्रता के पश्चात हम जिस तेजी से आसानी की ओर भागे उसी कारण आज हमारी कठिनाईयों में वृद्धि हुई है । समस्याओं की चुनौती स्वीकार न करके हम उनका विकल्प खोजने में लगे रहे हैं । आज आवश्यकता एक मनस्वी, राष्ट्र-प्रेमी, स्वावलम्बी और अनुशासित राष्ट्रीय- चरित्र के विकास की है ।

(i) राष्ट्रीय जागरण के लिए क्या आवश्यक है ?
(ii) "स्वतंत्रता के पश्चात हम जिस तेजी से आसानी की ओर भागे उसी कारण आज हमारी कठिनाइयोंमें वृद्धि हुई है ।" इस वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए ।
(iii) "स्वावलम्बी" शब्द के मूल शब्द, उपसर्ग और प्रत्यय बताइए ।
(iv) गद्यांश उपयुक्त शीर्षक लिखिए ।

(RBSE 2016)

5. **निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

युद्ध और नर -संहारक शस्त्रों की भीषण चोटों से घायल विश्व का हृदय यह स्पष्ट अनुभव कर रहा है कि स्थायी सुख और शान्ति का मार्ग हिंसा में नहीं, अहिंसा में है। आज विश्व के सिर पर युद्ध और अशान्ति के बादल मंडरा रहे हैं। विश्व का एक भी राष्ट्र अपने को पूर्ण सुरक्षित अनुभव नहीं कर रहा है। सर्वत्र भय की भावना व्याप्त हो रही है। सबल राष्ट्र निर्बल राष्ट्रों की स्वतन्त्रता का बलात् अपहरण कर रहे हैं। हिंसा के पथ पर अग्रसर होकर विश्व-विनाश की ओर जा रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि युद्ध के स्थान पर शान्ति की स्थापना की जाए, शत्रुता के स्थान पर मित्रता के हाथ बढ़ाए जाएं। गाँधीजी ने अहिंसा का मार्ग अपनाकर ही भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराया था। महावीर स्वामी, गौतम बुद्ध और महात्मा ईसा ने भी अहिंसा के द्वारा ही मानव-कल्याण का पथ आलोकित किया था। आज भी हमारा देश इसी अहिंसा की वाणी का सन्देश, शान्ति का देवदूत बनकर भय और संशयग्रस्त संसार को दे रहा है। यही आज की क्षत-विक्षत मानवता की सबसे बड़ी माँग है। हमारा कर्त्तव्य है कि हम अहिंसा के आदर्शों को अपनाकर मानवता के दीप को प्रज्वलित करें। यही आज के युग का परम धर्म है।

TOPIC = अपठित बोध (ख) अपठित पद्यांश

1. **निम्न अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **[4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर- सीमा 20 से 40 शब्द है)

यह अवसर है, स्वर्णिम सुयुग है,
खो न इसे नादानी में,
रंगरेलियों में, छेड़छाड़ में,
मस्ती में, मनमानी में ।

तरुण, विश्व की बागडोर ले
तू अपने कठोर कर में,
स्थापित कर रे मानवता
बर्बर नृशंस के उर में ।

दंभी को कर ध्वस्त धरा पर
अस्त - त्रस्त पाखंडों को,
करुणा शान्ति स्नेह सुख भर दे
बाहर में, अपने घर में ।

यौवन की ज्वाला वाले
दे अभयदान पद दलितों को,
तेरे चरण शरण में आहत
जग आश्वासन - श्वास गहे ॥

(i) "यह अवसर है, स्वर्णिम सुयुग है" कवि ने किस अवसर को स्वर्णिम सुयुग कहाहै ?
(ii) विश्व की बागडोर किसके हाथों में शोभा पाती है ? क्यों ?
(iii) "बाहर में, अपने घर में" क्या भरने के लिए कहा गया है ?
(iv) "दे अभयदान पद दलितों को" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(RBSE 2013)

2. **निम्न अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **[4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर- सीमा 20 से 40 शब्द है)

मेरी भूमि तो है पुण्यभूमि वह भारती,
सौ नक्षत्र - लोक करें आके आप आरती ।
नित्य नये अंकुर असंख्य वहाँ फूटते,
फूल झड़ते हैं, फल पकते हैं, टूटते ।

सुरसरिता ने वहीं पाई हैं सहेलियाँ,
लाखों अठखेलियाँ, करोड़ों रंगरेलियाँ ।
नन्दन विलासी सुरवृन्द, बहु वेशों में,
करते विहार हैं हिमाचल प्रदेशों में ।

TOPIC = (1) निबन्ध लेखन (विकल्प सहित) (300 शब्द) [5 MARKS]

1. निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : [10 M]
(अ) अति वृष्टि का वह दिन
(ब) भ्रष्टाचार का महादानव
(स) इंटरनेट - सूचना क्रान्ति
(द) पर्यावरण संरक्षण और युवा ।

(RBSE 2013)

2. निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : [7 M]
(अ) भारतीय राजनीति, राजनेता और जातिवाद
(ब) रंगीला राजस्थान
(स) नये भारत की आशा युवा वर्ग
(द) स्त्री-सशक्तिकरण और शिक्षा
(य) मेरा प्रिय साहित्यकार ।

(RBSE 2014)

3. निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : [7 M]
(अ) आजादी के 67 वर्ष : क्या खोया, क्या पाया
(ब) बढ़ते संचार के साधन : सिमटता संसार
(स) मेरा प्रिय खिलाड़ी
(द) राजस्थानी लोकगीतों की वह प्रतियोगिता
(य) अनुशासन का महत्त्व ।

(RBSE 2015)

4. निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए: [7 M]
(अ) राजस्थान के पर्यटन स्थल ।
(ब) कन्या भ्रूण हत्या- मानवता पर एक कलंक ।
(स) राजस्थान में शिक्षा की वर्तमान स्थिति ।
(द) निरक्षरता एक अभिशाप
(य) बढ़ती मंहगाई : घटता जीवन स्तर

(RBSE 2016)

5. निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : [7 M]
(अ) राष्ट्र के प्रति हमारा दायित्व
(ब) बढ़ते वाहन : गिरता स्वास्थ्य
(स) पर्यावरण संरक्षण : जीवन का मूल आधार
(द) बढ़ती महंगाई : दुखद जीवन

TOPIC= (2) पत्र व प्रारूप लेखन (अर्द्धशासकीय-पत्र, निविदा, विज्ञप्ति, ज्ञापन, अधिसूचना) [4 M]

1. अपने विद्यालय में आयोजित 'बाल दिवस समारोह' अथवा 'वन-महोत्सव' पर समाचार पत्र को प्रेषित करने के लिए एक रिपोर्ट लिखिए । (उत्तर-सीमा 100 शब्द) [4M]
(RBSE 2013)

2. 'आपके शहर में बढ़ते अपराध' अथवा आपके विद्यालय में आयोजित 'मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं' पर समाचार पत्र में प्रेषित करने हेतु एक प्रतिवेदन लिखिए । (उत्तर- सीमा 100 शब्द)
(RBSE 2014)

3. आपके शहर में स्वच्छता जागरूकता अभियान अथवा आपके विद्यालय में आयोजित 'हिन्दी- दिवस' पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताएँ विषय पर समाचार पत्र में प्रेषित करने हेतु एक प्रतिवेदन लिखिए । (उत्तर-सीमा 100 शब्द)
(RBSE 2015)

4. अपने शहर में ध्वनि विस्तारक यन्त्र के अनुचित प्रयोग "अथवा" प्रदेश में आरक्षण आन्दोलन से जनता को जो असुविधाएँ हुई, उसे ध्यान में रखकर समाचार-पत्र हेतु एक प्रतिवेदन (रिपोर्ट) लिखिए । (उत्तर सीमा - 100 शब्द)
(RBSE 2016)

5. अपने विद्यालय में आयोजित 'स्वतन्त्रता दिवस' अथवा 'शिक्षक दिवस' पर एक प्रतिवेदन (रिपोर्ट) लिखिए।
(RBSE 2017)

6. स्वयं को शासन सचिव, शिक्षा विभाग रविकुमार मानते हुए राज्य के समस्त संस्था प्रधानों को 'गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा' की सुनिश्चितता हेतु एक अर्द्ध शासकीय पत्र का प्रारूप लिखिए।
(RBSE 2018)

7. राजस्थान सरकार की ओर से खादी ग्रामोद्योग हेतु एक अधिसूचना जारी कीजिए।
(RBSE 2019)

8. राजस्थान सरकार के वित्त विभाग (आय-व्ययक) अनुभाग की ओर से विविध प्रशासनिक विभागों में मितव्ययिता अपनाने हेतु एक परिपत्र लिखिए ।
(RBSE 2020)

9. अधीक्षक, उद्यान विभाग, जैसलमेर की तरफ से चालक पद हेतु विज्ञप्ति लिखिए।
(RBSE 2021)

10. स्वयं को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, नीमच मानते हुए कार्यालय उपयोग हेतु कोरोना से बचाव की सामग्री खरीदने के लिए एक निविदा लिखिए।

(RBSE 2021)

11. अपने विद्यालय के लिये खेलकूद सामग्री क्रय करने हेतु निविदा तैयार कीजिए ।

(RBSE 2022)

12. सचिव मा. शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर की ओर से दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षा तिथि परिवर्तन की विज्ञप्ति तैयार कीजिए ।

(RBSE 2022)

13. अपने विद्यालय में कार्यालय सामग्री क्रय करने हेतु एक निविदा लिखिए ।

(RBSE 2023)

14. सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, 4 अजमेर की ओर से बोर्ड की पाठ्यपुस्तके क्रय सूचना करने हेतु विज्ञप्ति तैयार कीजिए ।

(RBSE 2023)

15. कर्मचारी चयन बोर्ड, दिल्ली में विभिन्न पदों पर आवेदन आमंत्रित करने हेतु समाचार पत्र में प्रकाशनार्थ निर्धारित प्रारुप में एक विज्ञप्ति लिखिए ।

(RBSE 2024)

16. अबस विद्यालय रामपुर में स्काउटिंग प्रवृत्ति विकसित करने हेतु आवश्यक सामग्री क्रय करने हेतु निविदा' लिखिए ।

(RBSE 2024)

17. निदेशक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली द्वारा बिजली उपकरणों की आपूर्ति हेतु निर्धारित प्रारूप में एक निविदा लिखिए।

(RBSE 2025)

18. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उत्तरप्रदेश द्वारा पाठ्य पुस्तक विक्रेताओं को बोर्ड कार्वालय, इलाहाबाद में पंजीयन करवाने हेतु विज्ञापि लिखिए।

(RBSE 2025)

TELEGRAM YOUTUBE WEBSITE

TOPIC = सप्रसंग व्याख्या गद्य भाग

1. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

मुझे तो मनुष्य के हाथ से बने हुए कामों में उनकी प्रेममय पवित्र आत्मा की सुगंध आती है। राफेल आदि के चित्रित चित्रों में उनकी कला-कुशलता को देख इतनी सदियों के बाद भी उनके अंतः करण के सारे भावों का अनुभव होने लगता है। केवल चित्र का ही दर्शन नहीं, किंतु साथ ही उसमें छिपी हुई चित्रकार की आत्मा तक के दर्शन हो जाते है; परन्तु यंत्रों की सहायता से बने हुए फोटो निर्जीव से प्रतीत होते हैं। उनमें और हाथ के चित्रों में उतना ही भेद है जितना कि बस्ती और श्मशान में।

(RBSE 2018)

2. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

इस प्रकार अपने ज्ञान बल, हृदयबल और शरीरबल की वृद्धि के साथ वह दुःख की छाया मानों हटाता चलता है। समस्त मनुष्य-जाति की सभ्यता के विकास का ही यही क्रम रहा है। भूतों का भय तो अब बहुत कुछ छूट गया है, पशुओं की बाधा भी मनुष्य के लिए प्रायः नहीं रह गई है; पर मनुष्य के लिए मनुष्य का भय बना हुआ है। इस भय के छूटने के लक्षण भी नहीं दिखाई देते। अब मनुष्यों के दुःख का कारण मनुष्य ही है। सभ्यता से अंतर केवल इतना ही पड़ा है कि दुःख-दान की विधियाँ बहुत गूढ़ और जटिल हो गई हैं।

(RBSE 2018)

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

जिस प्रकार सुखी होने का प्रत्येक प्राणी को अधिकार है, उसी प्रकार मुक्तातंक होने का भी। पर कर्म-क्षेत्र के चक्रव्यूह में पड़कर जिस प्रकार सुखी होना प्रयत्न-साध्य होता है, उसी प्रकार निर्भय रहना भी। निर्भयता के संपादन के लिए दो बातें अपेक्षित हैं-पहली तो यह कि दूसरों के हम से किसी प्रकार का भय या कष्ट न हो; दूसरी यह कि हमको कष्ट या भय पहुँचाने का साहस न कर सके। इनमें से एक का संबन्ध उत्कृष्ट शील से है और दूसरी का शक्ति और पुरुषार्थ से।

(RBSE 2019)

4. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाजार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति-शैतानी शक्ति व्यंग्य की शक्ति ही बाजार को देते हैं। न तो वे बाजार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाजार का बाजारुपन बढाते हैं, जिसका मतलब है कि कपट बढाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी।

(RBSE 2019)

5. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

किसी आती हुई आपदा की भावना या दुःख के कारण के साक्षात्कार से जो एक प्रकार का आवेगपूर्ण अथवा स्तम्भ कारक मनोविकार होता है उसी को भय कहते हैं । क्रोध दुःख के कारण पर प्रभाव डालने के लिए आकुल करता है और भय उसकी पहुँच से बाहर होने के लिए । क्रोध दुःख के कारण के स्वरूप- -बोध के बिना नहीं होता । यदि दुःख का कारण चेतन होगा और यह समझा जाएगा कि उसने जान-बूझकर दुःख पहुँचाया है, तभी क्रोध होगा ।

(RBSE 2020)

6. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

प्रजातंत्रवाद चाहता है कि न केवल पाँच वर्ष की समाप्ति पर सरकार का निषेध किया जा सके, बल्कि ऐसी भी व्यवस्था होनी चाहिए कि सरकार के विरुद्ध किसी भी समय और तुरन्त निषेधात्मक कार्रवाई की जा सके । अब यदि आपको मेरे कहने का आशय स्पष्ट हो तो प्रजातंत्र का मतलब है कि किसी भी आदमी को सदैव शासन करते रहने का अधिकार नहीं । यह शासन करने का अधिकार लोगों की स्वेच्छा पर निर्भर करता है । उस अधिकार को लोकसभा भवन में चैलेंज किया जा सकता है।

(RBSE 2020)

7. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे । भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अंधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना । वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिये ही हमें सुख दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिये ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

(RBSE 2022)

8. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

कुछ देर जीजी चुप, फिर मठरी मेरे मुँह में डालती हुई बोली, "देख बिना त्याग के दान नहीं होता । अगर तेरे पास लाखों-करोड़ों रुपये हैं और उसमें से तू दो- चार रुपये किसी को दे दे तो यह क्या त्याग हुआ । त्याग तो वह होता है कि जो चीज तेरे पास भी कम है, जिसकी तुझको भी ज़रूरत है तो अपनी ज़रूरत पीछे रख कर दूसरे के कल्याण के लिए उसे दे तो त्याग तो वह होता है, दान तो वह होता है, उसी का फल मिलता है ।"

(RBSE 2022)

9. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

जेठ की जलती धूप में, जबकि धरित्री निर्धूम अग्निकुण्ड बनी हुई थी, शिरीष नीचे से ऊपर तक फूलों से लद गया था। कम फूल इस प्रकार की गरमी में फूल सकने की हिम्मत करते हैं। कर्णिकार और आरग्वध (अमलतास) की बात मैं भूल नहीं रहा हूँ। वे भी आस-पास बहुत हैं। लेकिन शिरीष के साथ आरग्वध की तुलना नहीं की जा सकती। वह पन्द्रह-बीस दिन के लिए फूलता है, वसंत ऋतु के पलाश की भाँति। कबीरदास को इस तरह पन्द्रह दिन के लिए लहक उठना पसंद नहीं था। यह भी क्या कि दस दिन फूले और फिर खंखड़-के-खंखड़ 'दिन दस फूला फूलिके खंखड़ भया पलास !'

(RBSE 2023)

10. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

जाति-प्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं रहता। मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रुचि का इसमें कोई स्थान अथवा महत्व नहीं रहता। 'पूर्व लेख' ही इसका आधार है। इस आधार पर हमें यह स्वीकार करना पड़ेगा कि आज के उद्योगो में गरीबी और उत्पीड़न इतनी बड़ी समस्या नहीं जितनी यह कि बहुत से लोग निर्धारित कार्य को 'अरूचि' के साथ केवल विवशतावश करते हैं। ऐसी स्थिति स्वभावतः मनुष्य को दुर्भावना से ग्रस्त रहकर टालू काम करने और कम काम करने के लिए प्रेरित करती है। ऐसी स्थिति में जहाँ काम करने वालों का न दिल लगता हो न दिमाग, कोई कुशलता कैसे प्राप्त की जा सकती है।

(RBSE 2023)

11. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए - [1+2+1=4M]
यह मैंने भक्तिन के प्रस्ताव को अवकाश न देने के लिए कहा था; पर उसके परिणाम ने मुझे विस्मित कर दिया। भक्तिन ने परम रहस्य का उद्घाटन करने की मुद्रा बनाकर और पोपला मुँह मेरे कान के पास लाकर हौले-हौले बताया कि उसके पासे पाँच बीसी और पाँच रुपया गड़ा रखा है। उसी से वह सब प्रबंध कर लेगी। फिर लड़ाई तो कुछ अमरौती खाकर आई नहीं हैं। जब सब ठीक हो जाएगा, तब यहीं लौट आएँगे। भक्तिन की कंजूसी के प्राण पूंजीभूत होते - होते पर्वताकार बन चुके थे; परन्तु इस उदारता के डाइनामाइट ने क्षण भर में उन्हे उड़ा दिया।
(RBSE 2024)

12. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए - [1+2+1=4M]
पर एक बात देखी है कि अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर ज़मीन में क्यारियाँ बनाकर फेंक देता है। उसे बुवाई कहते हैं। यह जो सूखे हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है। यह पानी गली में बोएँगे तो सारे शहर, कस्बा, गाँव पर पानीवाले बादलों की फसल आ जायेगी। हम बीज बनाकर पानी देते हैं फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं। सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले खुद दो तब देवता तुम्हे चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे भइया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है।

(RBSE 2024)

13. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए -

फूल है शिरीष। वसंत के आगमन के साथ लहक उठता है, आषाढ़ तक जो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है। मन रम गया तो भरे भादों में भी निर्धात फूलता रहता है। जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है, एकमात्र शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार करता रहता है।

(RBSE 2025)

14. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए -

अँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी। निस्तब्धता करूण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी। आकाश में तारे चमक रहे थे। पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं। आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी। अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे।

(RBSE 2025)

BOARD ZONE

TELEGRAM YOUTUBE WEBSITE

पाठयपुस्तक - आरोह (काव्य खंड)

1.हरिवंश राय बच्चन (1.आत्मपरिचय, 2.एक गीत)

1. 'कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता 'आत्म-परिचय' अपनी अस्मिता, अपनी पहचान का बोध कराती है।' उपर्युक्त कथन की उदाहरण सहित व्याख्या 'आत्म-परिचय' कविता के आधार पर कीजिए। [4M]
(RBSE 2018)

2. 'आत्म-परिचय' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।
(RBSE 2020)

3. हरिवंश राय बच्चन का कवि परिचय लिखिए । [4M]
(RBSE 2022, RBSE 2023, 2025)

4. 'एक गीत' शीर्षक कविता किस संग्रह से ली गई है? [1M]
अ) कोई दूसरा नहीं
ब) इन दिनों
स) बात सीधी थी पर
द) निशा-निमंत्रण
(RBSE 2025)

2.आलोक धन्वा (पतंग)

5. 'पतंग' कविता में किन-किन बिम्बों को चित्रित किया है? [2M]
(RBSE 2023)

6. 'आलोक धन्वा' का कवि परिचच लिखिए । [4M]
(RBSE 2024)

3.कुँवर नारायण (1. कविता के बहाने, 2. बात सीधी थी पर)

7. "कविता एक खेल है बच्चों के बहाने " "कविता के बहाने' पाठ में कविता और बच्चे मानव-समाज को क्या संदेश देते हैं ? [1.5M]
(RBSE 2013)

8. 'बात सीधी थी पर' कविता का मूल भाव लिखिए । [2M]
(RBSE 2023)

9. "यह एक यात्रा है जो चिड़िया, फूल से लेकर बच्चे तक की है।" - पंक्ति के आधार पर 'कविता के बहाने' कविता की मूल संवेदना लिखिए। [3M]
(RBSE 2025)

4.रघुवीर सहाय (कैमरे में बंद अपाहिज)

10. "हम समर्थ शक्तिवान, हम एक दुर्बल को लाएँगे, एक बंद कमरे में" 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता की प्रस्तुत पंक्ति में कवि का कौन-सा भाव व्यंजित हुआ है ? [1.5M]
(RBSE 2015)

11.. "कैमरे में बंद अपाहिज" कविता में प्रश्नकर्ता का क्या उद्देश्य रहा है, उसके स्थान पर यदि आप होते तो साक्षात्कार किस प्रकार से लेते ? [3M]
(RBSE 2022)

12. 'कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा जगाने के मकसद से शुरु कार्यक्रम क्रूर बन जाता है। इस कथन का आशय लिखिए । [3M]
(RBSE 2023)

13. 'किसी की पीड़ा को बहुत बड़े दर्शक वर्ग तक पहुँचाने वाले व्यक्ति उस पीड़ा के प्रति स्वयं संवेदनशील हो जाते हैं।' इस कथन में प्रकट वर्तमान युग की विडंबना को कविता के संदर्भ में समझाइये । [3M]
(RBSE 2024)

14. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता किस सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति को दर्शाती है ? क्या वास्तव में वह सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति करती है ? स्पष्ट कीजिए ।

OR

'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में रघुवीर सहाय ने किस सामाजिक विडंबना को उभारने का प्रयास किया है ? [2M]
(RBSE 2017, 2025)

5.शमशेर बहादुर सिंह (उषा)

15. "जादू टूटता है इस उषा का अब सूर्योदय हो रहा है ।" 'उषा' कविता की प्रस्तुत पंक्ति में 'जादू टूटता है' का आशय स्पष्ट कीजिए । [1.5M]
(RBSE 2015)

16. 'स्लेट पर या लाल खड़िया चाक मल दी हो किसीने । "उषा" कविता की इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।[1.5M]
(RBSE 2014, 2016)

17. 'उषा' कविता में कवि ने प्रातः कालीन सूर्योदय का जीवन्त परिवेश का चित्रण किया है कैसे? स्पष्ट कीजिए । [4M]
(RBSE 2019)

18. 'उषा' कविता के आधार पर बताइये कि कवि ने किन उपमानों का प्रयोग कर कविता को गतिशीलता दी है ? इसके आधार पर अन्य किन उपमानों का प्रयोग किया जा सकता है ? [4M]
(RBSE 2022)

19. 'नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो'। 'उषा' कविता के आधार पर इस पंक्ति को स्पष्ट कीजिए। [3M]
(RBSE 2024)

राजस्थान बोर्ड की तैयारी के लिए आज ही हमारे YouTube चैनल Board Zone और Website BoardZone.in से जुड़ें।

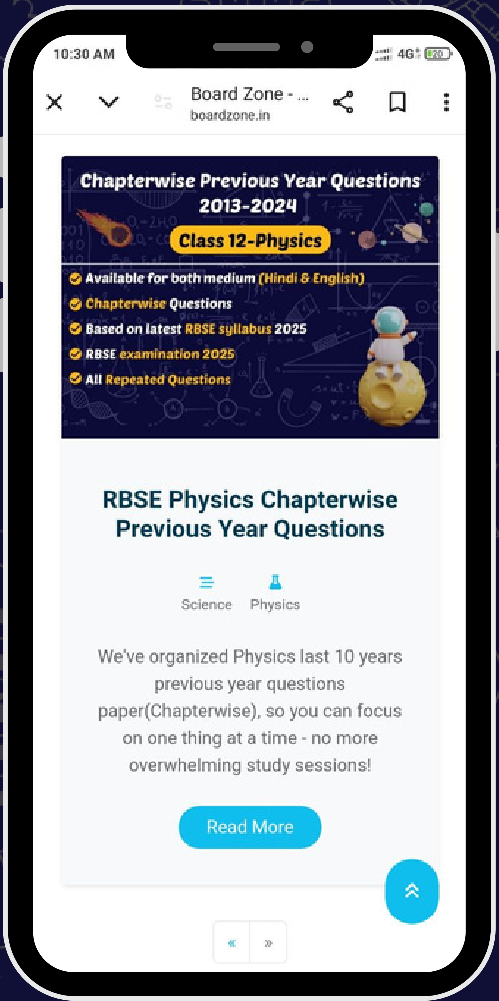

- Chapter-wise PYQ
- Handwritten Notes
- MCQ
- Blue Print
- Model Paper
- Strategy
- etc

921-6765-400

Join Channel For Free Study Materials

TELEGRAM YOUTUBE WEBSITE